

व्यूरो द्वारा कितने केन्द्रीय मंत्रियों और उप-मंत्रियों के बारे में जांच की गई ;

(ख) क्या केन्द्रीय जांच व्यूरो द्वारा दिए गए प्रतिवेदनों में किसी मंत्री के विरुद्ध शक्तियों के दुरुपयोग के कोई आरोप लगाये गए हैं;

(ग) यदि हां, तो सरकार की उन पर क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या केन्द्रीय जांच व्यूरो ने मंत्रियों की पंतुक सम्पत्ति के बारे में जांच की थी ; और

(ङ) यदि हां, तो क्या यह सच है कि केन्द्रीय जांच व्यूरो की जांच के दौरान कुछ मंत्रियों ने व्यूरो को अपनी पंतुक सम्पत्ति के बारे में गलत जानकारी दी थी और क्या सरकार का विचार उन मंत्रियों के बारे में पुनः जांच कराने के बाद कोई कार्यवाही करने का है जिन्होंने अपनी पंतुक सम्पत्ति के बारे में गलत जानकारी दी है और बेनामी अभिकरणों की स्थापना करके सम्पत्ति छुपाई है तथा अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है ?

प्रधान मंत्री वित्त मंत्री, अणु शक्ति मंत्री तथा योजना मंत्री (श्रीमति इन्दिरा गांधी) :

(क). केन्द्रीय जांच व्यूरो ने पिछले तीन वर्षों में किसी केन्द्रीय मंत्री अथवा उप मंत्री के खिलाफ कोई जांच नहीं की है ।

(ख) से (ङ) : प्रश्न नहीं उठते ।

**कपास के मूल्य का निर्धारण**

\*370. श्री देवराव पाटिल : क्या बंदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली तथा बाजार में बिकने वाली

कपास के मूल्य अभी तक निर्धारित नहीं किए गये हैं ;

(ख) क्या कपास के निर्धारित मूल्य उत्पादकों के हित में नहीं है ; और

(ग) यदि हां, तो कपास के लिए लाभकारी मूल्य निर्धारित करने हेतु क्या प्रयत्न किये गये हैं ।

बंदेशिक व्यापार मंत्री (श्री ब० रा० मगत) : (क) से (ग). 1 सितम्बर, 1967 से कपास पर से कानूनो मूल्य नियंत्रण हटा लिया गया था और सरकार अब कपास के बिक्री मूल्य निर्धारित नहीं करती । फिर भी, सरकार प्रत्येक कपास वर्ष के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा करती है और इस बात का आश्वासन देती है कि वह कपास के लिए तैयार होगी जिनकी पेशकश उन न्यूनतम समर्थन मूल्यों पर की गयी हो । यह व्यवस्था कपास वर्ष 1967-68 तथा वर्ष 1968-69 में संतोषजनक रूप से चली और इसे वर्ष 1969-70 के लिए भी जारी रखा गया है ।

विदेशों में पूंजी विनियोजना करने वाले भारतीय विनियोजकों को राजनीतिक खतरों से गारंटी

371. श्री शारदा नन्व :  
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :  
श्री जगन्नाथ राय जोशी :  
श्री वृजभूषण लाल  
श्री सुरजमान :

क्या बंदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विदेश व्यापार संस्थान के इस सुझाव पर यह निर्णय किया है कि विदेशों में व्यापार तथा उद्योग धन्धों के संयुक्त उपक्रमों में पूंजी लगाने वाले भारतीयों को राजनीतिक खतरों से बचाव की गारंटी दी जानी चाहिये ;

(ख) यदि हां, तो इसका व्यौरा क्या है ;  
और

(ग) यदि नहीं, तो असाधारण विलम्ब के कारण हैं ?

बैदेशिक व्यापार मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क से ग). ऐसे सुझाव दिए गए थे कि विदेशों में लगी भारती पूंजी के संरक्षण के लिए सरकार को ऐसी योजना आरम्भ करनी चाहिये परन्तु उन पर विचार नहीं किया गया क्योंकि विश्व बैंक इस समय एक ऐसी अन्तरराष्ट्रीय बहुदेशीय विनियोजन गारन्टी योजना बना रहा है जिससे सम्भवतः यही प्रयोजन सिद्ध हो सकेगा। विश्व बैंक के द्वारा अभी भी योजना के व्यौरों पर विचार किया जा रहा है।

#### Use of Revenue Surpluses for Certain Plan Activities

\*372. SHRI C. C. DESAI ;  
SHRI MEETHA LAL  
MEENA ;  
SHRI D. AMAT ;  
SHRI S. P. RAMAMOORTHY ;  
SHRI C. MUTHUSAMI ;

Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether the Planning Commission recently established contacts with the various State Governments regarding use of revenue surpluses for certain Plan activities ; and

(b) if so, the reaction of Government thereto ?

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF FINANCE, MINISTER OF ATOMIC ENERGY AND MINISTER OF PLANNING (SHRIMATI INDIRA GANDHI)  
(a) Yes, Sir.

(b) The view of the Planning Commission will be placed before the National Development Council next month.

#### National and Per capita Income

\*373. SHRI HIMATSINGKA : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) the extent of national income and per capita income secured during the year 1968-69 and that likely to be secured during the year 1969-70; and

(b) the rate of growth obtained in the country during each of the years since the Third Five Year Plan and the extent to which per capita income has increased over each of these years ?

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF FINANCE, MINISTER OF ATOMIC ENERGY AND MINISTER OF PLANNING (SHRIMATI INDIRA GANDHI) :

(a) According to the quick estimates prepared by the Central Statistical Organisation the total and *per capita* national income, measured in terms of 1960-61 prices, have been placed at Rs. 16,830 crores and Rs. 319.3 respectively for the year 1968-69. Similar estimates for 1969-70 would be available only by September, 1970.

(b) The relevant particulars are given in the attached statement.

#### Statement

#### Total and Per capita Net Nation Income at 1960-61 prices

Year	Net national income at 1960-61 prices		Percentage increase over the previous year in net national income (at 1960-61 prices)	
	total	<i>per capita</i>	total	<i>per capita</i>
	(Rs. crores)	(rupees)		
1	2	3	4	5
1960-61	13,308	306.7	—	—
1961-62	13,795	310.7	3.7	1.3